

भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 1006
गुरुवार, 5 फ़रवरी, 2026/16 माघ, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

कार्बन तटस्थता पहल

1006. श्री दुष्यंत सिंह:

क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश भर के विभिन्न विमानपत्तनों पर कार्बन तटस्थता पहल की प्रगति के संबंध में अब तक उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) देश भर में उन विमानपत्तनों की कुल संख्या का ब्यौरा क्या है जिन्होंने सफलतापूर्वक कार्बन तटस्थता प्राप्त कर ली है और उनके सततता संबंधी प्रयासों को मान्यता देने के लिए किस स्तर की मान्यता प्राप्त हुई है;

(ग) वर्ष 2014 से देश में कुल कितने ग्रीनफील्ड विमानपत्तनों का निर्माण किया गया है और इनमें से कितने विमानपत्तन कार्बन तटस्थता प्राप्त करने की दिशा में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं; और

(घ) वर्तमान में कितने प्रतिशत विमानपत्तन 100 प्रतिशत हरित ऊर्जा पर कार्य कर रहे हैं और क्या सरकार ने उक्त पहल की निगरानी और सहयोग के लिए कोई तंत्र तैयार किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोले)

(क) : नागर विमानन मंत्रालय (एमओसीए) ने देश के हवाईअड्डों पर कार्बन तटस्थता की दिशा में कार्य करने के लिए निम्नलिखित उपाए किए हैं:

i) भारतीय हवाईअड्डों के कार्बन लेखांकन और रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क को मानकीकृत करने के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन शमन पर जागरूकता उत्पन्न करने के लिए ज्ञान साझाकरण सत्रों का आयोजन किया गया।

ii) अनुसूचित प्रचालनों वाले सभी प्रचालनरत हवाईअड्डों को कार्बन तटस्थता और नेट जीरो की स्थिति प्राप्त करने की दिशा में कार्य करने की सलाह दी गई है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ हरित ऊर्जा का उपयोग शामिल है।

iii) सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के विकास प्रस्ताव, डीपीआर, हवाईअड्डा मास्टर प्लान आदि में डिजाइन/मानकों को शामिल करके शुरुआत से ही कार्बन उत्सर्जन में कमी के उपायों और नेट जीरो लक्ष्य को प्राप्त करने की सलाह दी गई है।

iv) हवाई यातायात नियंत्रकों को कार्बन तटस्थता के प्रति जागरूक बनाने के लिए इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम के भाग के रूप में एक प्रशिक्षण मॉड्यूल बनाया गया है।

v) भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण (एईआरए) को हवाईअड्डे के टैरिफ निर्धारण के लिए हरित ऊर्जा उपयोग संबंधी लागत को ध्यान में रखने की सलाह दी गई है।

(ख) : वर्तमान में, देश में चार हवाईअड्डों नामतः दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और बेंगलुरु ने एयरपोर्ट्स इंटरनेशनल काउंसिल (एसीआई) से कार्बन मान्यता स्तर 5 प्राप्त किया है और ये हवाईअड्डे कार्बन तटस्थ बन गए हैं।

(ग) : 13 ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों नामतः दुर्गापुर, शिरडी, कन्नूर, पाक्योंग, कलबुरगि, ओर्वाकल (कुरनूल), सिंधुदुर्ग, कुशीनगर, ईटानगर, मोपा, शिवमोगगा, राजकोट (हीरासर) और नवी मुंबई को वर्ष 2014 से ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा नीति, 2008 के तहत प्रचालनरत किया गया है। नागर विमानन मंत्रालय ने सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों और अनुसूचित प्रचालनों वाले सभी प्रचालनरत हवाईअड्डों को कार्बन तटस्थता और नेट जीरो की स्थिति प्राप्त करने की दिशा में कार्य करने की सलाह दी गई है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ हरित ऊर्जा का उपयोग शामिल है।

(घ) : दिनांक 03.02.2026 को, 99 हवाईअड्डे 100% हरित ऊर्जा पर प्रचालनरत हैं। हवाईअड्डा प्रचालकों को हवाईअड्डों पर 100% हरित ऊर्जा का उपयोग करने में सहायता करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए, एईआरए हवाईअड्डा टैरिफ निर्धारित करते समय हरित ऊर्जा उपयोग संबंधी लागत को ध्यान में रखता है।
